**SET-3**

**Series BVM/3**

कोड नं.
Code No. **29/3/3**

रोल नं.
Roll No.

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

# हिन्दी (ऐच्छिक)

# HINDI (Elective)

*निर्धारित समय : 3 घण्टे* | *अधिकतम अंक : 80*

*Time allowed : 3 hours* | *Maximum Marks : 80*

***सामान्य निर्देश :***

*(i)* *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

*(ii)* *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

*(iii)* *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

## खण्ड क

**1.** निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *11*

'वरिष्ठ नागरिक' शब्द सुनते ही हमारे मन-मस्तिष्क में उन लोगों की छवि उभरती है जो प्रभु की कृपा और अपने माँ-बाप, गुरुजन आदि के 'दीर्घायु' होने के आशीर्वाद से मानव-जीवन की वसंत-बहार के 60-65 वर्ष व्यतीत कर चुके हैं और अब वर्तमान की अनेक समस्याओं से जूझ रहे हैं ।

वरिष्ठ जनों की प्रमुख समस्या है — उनका एकाकीपन । लोग अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा-दीक्षा इसलिए देते हैं कि वे उत्तम रोज़गार प्रारंभ कर मन चाही अच्छी ज़िंदगी बसर कर सकें । इस प्रक्रिया में यदि वे विदेश भी जाना चाहें तो उन्हें सुसाधन सुलभ रहें, किंतु खेद यह है कि इस मोड़ पर उनकी सोच में बदलाव आ जाता है । वे अपने बूढ़े माँ-बाप से दूर हो जाते हैं । जीवन की सभी सुविधाओं की प्राप्ति के लिए वे धन तो भेज देते हैं परन्तु उन्हें साथ नहीं दे पाते । जो भारत ही में अपने माता-पिता के साथ रहते हैं उनके पास भी समय का अभाव है । परिणाम यह होता है कि बूढ़े लोग स्वयं को उपेक्षित समझ अपने शेष जीवन का बोझ स्वयं ही उठाने को विवश हो जाते हैं ।

दूसरी बड़ी समस्या है उनके स्वास्थ्य का ठीक न रहना । वृद्धावस्था से जुड़ी अनेक बीमारियाँ उन्हें घेर लेती हैं । वे स्वयं अस्पताल जाने, दवा लाने आदि में भी असमर्थ होते हैं, उन्हें सहारे की ज़रूरत पड़ती है और वह उपलब्ध नहीं होता ।

तीसरी समस्या है उनके जीवन में मनोरंजन का अभाव और लम्बे-लम्बे दिन बिना मित्रों के, बिना कोई कार्य किए बिताना । वर्तमान समय में उनके लिए वृद्धाश्रम खोले जा रहे हैं जहाँ उनका भविष्य भी सुरक्षित हो और बुढ़ापे के दिन भी यथासंभव सुखद हों । कुछ स्वयं-सेवी संस्थाएँ भी इस दिशा में अग्रसर हैं । जिस पीढ़ी ने देश, समाज और परिवार को सँवारने में अपना सारा जीवन लगा दिया उन्हें असहायावस्था में उन्हीं के हाल पर छोड़ देना अन्याय है और मानवोचित नहीं है ।

(क) वरिष्ठ नागरिक से क्या तात्पर्य है ? वे परिवार में कब अकेले पड़ जाते हैं ? *2*

(ख) वृद्ध जनों का एकाकीपन कैसे दूर किया जा सकता है ? *2*

(ग) युवा वर्ग का उनके प्रति क्या कर्तव्य है ? *2*

(घ) स्वयं-सेवी संस्थाएँ और सरकार वरिष्ठ नागरिकों के लिए क्या कर सकते हैं ? *2*

(ङ) किस बात को मानवोचित नहीं माना गया है ? क्यों ? *2*

(च) इस गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक बताइए । *1*

**2.** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

एक बीते के बराबर यह हरा ठिगना चना,
बाँधे मुरेठा शीश पर छोटे गुलाबी फूल का,
सजकर खड़ा है ।
पास ही मिलकर उगी है बीच में अलसी हठीली
देह की पतली, कमर की है लचीली
नीले फूले फूल को सिर पर चढ़ाकर
कह रही है, जो छुए यह दूँ हृदय का दान उसको ।
और सरसों की न पूछो – हो गई सबसे सयानी,
हाथ पीले कर लिए हैं, व्याह-मंडप में पधारी;
फाग गाता मास फागुन आ गया है आज जैसे ।
देखता हूँ मैं; स्वयंवर हो रहा है,
प्रकृति का अनुराग-अंचल हिल रहा है
इस विजन में, दूर व्यापारिक नगर से
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है ।

(क) दूल्हा कौन बना है ? उसके साज-शृंगार का उल्लेख कीजिए ।

(ख) अलसी का रूप-सौंदर्य अपने शब्दों में लिखिए ।

(ग) 'हाथ पीले करना' से कविता में क्या आशय है ?

(घ) काव्यांश के आधार पर मानवीकरण के एक उदाहरण का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) भाव समझाइए :
"इस विजन में, दूर व्यापारिक नगर से
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है ।"

**अथवा**

मैं तुम्हारी मौन करुणा का सहारा चाहता हूँ ।
जानता हूँ, इस जगत में,
फूल की आयु है कितनी ।
और यौवन की उभरती
साँस में है वायु कितनी
इसलिए आकाश का विस्तार
सारा चाहता हूँ ।
प्रश्नचिह्नों में उठी हैं
भाव-सागर की हिलोरें ।
आँसुओं से रहित होंगी
क्या नयन की नमित कोरें ?

जो तुम्हें कर दे द्रवित
वह अश्रुधारा चाहता हूँ ।
यह उठा कैसा प्रभंजन ।
जुड़ गईं जैसे दिशाएँ ।
एक तरणी, एक नाविक
और कितनी आपदाएँ ।
क्या कहूँ मँझधार में ही
मैं किनारा चाहता हूँ
मैं तुम्हारी मौन करुणा का सहारा चाहता हूँ ।।

(क) कवि को किसके सहारे की अपेक्षा है ?

(ख) फूल का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

(ग) भाग्य की लहरों की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

(घ) कवि अपने आँसुओं का कैसा प्रभाव देखना चाहता है ?

(ङ) 'मँझधार में किनारा चाहने' से कवि का क्या आशय है ?

**खण्ड ख**

**3.** निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए : *8*

(क) विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ

(ख) हमारी सीमाओं के प्रहरी

(ग) सांप्रदायिकता की समस्या

(घ) वन रहेंगे : हम रहेंगे

**4.** कुछ टी.वी. चैनलों के द्वारा प्राय: अंधविश्वास को फैलाने वाले कार्यक्रम के बारे में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कार्यक्रम निदेशक को पत्र लिखकर तर्क और वैज्ञानिक सोच को बढ़ाने वाले कार्यक्रम दिखाने का अनुरोध कीजिए । *5*

**अथवा**

गाँव के निकट स्थित कारख़ाने से अपद्रव्य बहाए जाने के कारण आपके गाँव के पेयजल स्रोतों का पानी प्रदूषित हो गया है । इस गंभीर समस्या पर तुरंत संज्ञान लेकर तत्काल उपाय करने के लिए राज्य के पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखिए ।

**5.** निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×4=4*

(क) संपादक के दो प्रमुख कार्यों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) पत्रकारिता के दो उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'स्टिंग ऑपरेशन' की क्या उपयोगिता है ?

(घ) जनसंचार के मुद्रित माध्यमों से क्या तात्पर्य है ? दो उदाहरण दीजिए ।

(ङ) फोटो पत्रकारिता के दो उद्देश्य लिखिए ।

**6.** रोज़गार के लिए 'शहरों की ओर पलायन' विषय पर एक आलेख लिखिए । *3*

**अथवा**

'होली रंगों का पर्व' पर एक फ़ीचर तैयार कीजिए ।

## खण्ड ग

**7.** निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

लघु सुरधनु-से पंख पसारे – शीतल मलय समीर सहारे ।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए – समझ नीड़ निज प्यारा ।
बरसाती आँखों के बादल – बनते जहाँ भरे करुणा-जल ।
लहरें टकरातीं अनंत की – पाकर जहाँ किनारा ।

**अथवा**

कंत कहाँ हौं लागौ हियरै । पंथ अपार सूझ नहिं नियरें ।
सौर सुपेती आवै जूड़ी । जानहुँ सेज हिवंचल बूढ़ी ।।
चकई निसि बिछुरै दिन मिला । हौं निसि बासर बिरह कोकिला ।।
रैनि अकेलि साथ नहिं सखी । कैसे जिऔं बिछोही पँखी ।।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2+2=4*

(क) वसंत कविता में कवि की प्रमुख चिंता और उसका कारण लिखिए ।

(ख) विद्यापति के पदों के आधार पर प्रियतमा के दुखों का उल्लेख कीजिए ।

(ग) कार्नेलिया के गीत के आधार पर भारत की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

(घ) भाव स्पष्ट कीजिए :

कन्ये गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण ।

**9.** निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : *3×2=6*

(क) जो है वह खड़ा है
बिना किसी स्तंभ के
जो नहीं है उसे थामे हैं
राख और रोशनी के ऊँचे-ऊँचे स्तंभ
आग के स्तंभ
और पानी के स्तंभ
धुएँ के
ख़ुशबू के
आदमी के उठे हुए हाथों के स्तंभ ।

(ख) चलती सड़क के किनारे लाल बजरी पर चुरमुराए पाँव तले
ऊँचे तरुवर से गिरे
बड़े-बड़े पियराए पत्ते
कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो –
खिली हुई हवा आई, फिरकी-सी आई, चली गई ।

(ग) कबहुँ समुझि वनगमन राम को रहि चकि चित्रलिखी सी ।
'तुलसीदास' वह समय कहे तें लागति प्रीति सिखी सी ।

(घ) तू खुली एक-उच्छ्वास-संग,
विश्वास-स्तब्ध बँध अंग-अंग
नत नयनों से आलोक उतर
काँपा अधरों पर थर-थर-थर ।
देखा मैंने, वह मूर्ति-धीति
मेरे वसंत की प्रथम गीति –

**10.** निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *5*

उसके चित्र के चमकीले रंग और पार्श्वभूमि की गहरी काली रेखाएँ दोनों ही यथार्थ जीवन से उत्पन्न होते हैं । इसलिए प्रजापति-कवि गंभीर यथार्थवादी होता है । ऐसा यथार्थवादी जिसके पाँव वर्तमान की धरती पर हैं और आँखें भविष्य के क्षितिज पर लगी हुईं ।

**अथवा**

व्यक्ति की 'आत्मा' केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं है, वह व्यापक है । अपने में सब और सब में आप – इस प्रकार की एक समष्टि-बुद्धि जब तक नहीं आती तब तक पूर्ण सुख का आनंद भी नहीं मिलता । अपने आपको दलित द्राक्षा की भाँति निचोड़कर जब तक 'सर्व' के लिए निछावर नहीं कर दिया जाता तब तक 'स्वार्थ' खंड-सत्य है । वह मोह को बढ़ावा देता है, तृष्णा को उत्पन्न करता है और मनुष्य को दयनीय-कृपण बना देता है ।

**11.** निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *3×2=6*

(क) बड़ी बहुरिया का संदेश क्या था ? हरगोबिन उसे क्यों नहीं सुना सका ?

(ख) 'शेर' शीर्षक लघुकथा में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'दूसरा देवदास' कहानी के मुख्य पात्र को यह नाम क्यों दिया गया होगा ? अपने विचार लिखिए ।

(घ) 'बालक बच गया' शीर्षक मनके में निहित संदेश का उल्लेख कर उस पर अपने विचार लिखिए ।

**12.** सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' अथवा घनानंद कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताएँ लिखिए । *5*

**अथवा**

निर्मल वर्मा अथवा ममता कालिया का जीवन-परिचय देते हुए उनकी भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

**13.** सूरदास को अपनी झोंपड़ी जल जाने का इतना दुख नहीं था जितना रुपयों की थैली खो जाने का । कारण स्पष्ट कीजिए । *4*

**अथवा**

"हम तो सौ लाख बार बनाएँगे" – इस कथन के संदर्भ में सूरदास के चरित्र का विवेचन कीजिए ।

**14.** निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×2=8*

(क) 'आरोहण' कहानी से पहाड़ के निवासियों के साहसी और उद्यमी जीवन के बारे में क्या-क्या जानकारियाँ प्राप्त होती हैं ? लिखिए ।

(ख) 'अपना मालवा...' के लेखक को क्यों लगता है कि विकास की सभ्यता वस्तुत: उजाड़ की अपसभ्यता है ?

(ग) 'बिस्कोहर की माटी' का लेखक अपने गाँव को और गाँव की नारियों को सबसे सुंदर क्यों मानता है ?

(घ) पर्वतारोही रूपसिंह और शेखर का पर्वतारोहण संबंधी ज्ञान भूपसिंह की तुलना में कहीं नहीं ठहरता । उदाहरण सहित टिप्पणी कीजिए ।